दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, गुरुवार 27 मई 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 236

महत्वपूर्ण एवं खास

सुप्रीम कोर्ट ने पीठों के सामने मामलों को सूचीबद्ध करने पर जारी किया परिपत्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। उच्चतम न्यायालय ने 'अत्यंत जरूरी विविध मामलों' पर सुनवाई के लिए अवकाशकालीन पीठों के सामने मामलों को सूचीबद्ध करने के विषय पर एक परिपत्र जारी किया है। न्यायालय की ओर से मंगलवार को जारी किए गए इस परिपत्र में अवकाशकालीन पीठों से संबंधित सूचनाएं हैं। ये पीठें ग्रीष्मावकाश के दौरान 26 मई से दो जून के बीच सुनवाई करेंगी। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय 10 मई से 28 जून तक ग्रीष्मावकाश पर है। परिपत्र के अनुसार परिवर्तित ग्रीष्मावकाश में 26 मई से दो जून तक दो खंडपीठें वीडियो काफ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई करेंगी। पहली पीठ में न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति अनिरूद्ध बोस होंगे। दूसरी पीठ में न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत 26 से 28 मई तक मामलों की सुनवाई करेंगे, उसके बाद इस पीठ में न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी न्यायमूर्ति कांत की जगह लेंगे और फिर यह परिवर्तित पीठ 29 मई से दो जून तक सुनवाई करेगी।

भगवान बुद्ध के बताये मार्ग पर चलते हुए सामूहिक संकल्प के बल पर कोविड-19 से मुक्त हों : कोविंद

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध के सभी अनुयायियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के बताये मार्ग पर चलते हुए सभी देशवासी एकजुटता और सामूहिक संकल्प के बल पर कोविड-19 से मुक्त हों। राष्ट्रपति भवन ने रामनाथ कोविंद के हवाले से ट्वीट किया, ''भगवान बुद्ध के सभी अनुयायियों को बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं। बुद्ध की शिक्षाएं संपूर्ण विश्व को पीड़ा व दुख से मुक्ति का मार्ग दिखाती हैं।'' कोविंद ने कहा, '' भगवान बुद्ध के बताए ज्ञान, करुणा व सेवा के मार्ग पर चलते हुए सभी देशवासी एकजुटता और सामूहिक संकल्प के बल पर कोविड-19 से मुक्त हों।

किसान आंदोलन : किसानों ने मनाया 'काला दिवस'

नई दिल्ली (आरएनएस)। केन्द्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने अपने आंदोलन के छह माह पूरे होने पर बुधवार को 'काला दिवस' मनाया और इस दौरान उन्होंने काले झंडे फहराए, सरकार विरोधी नारे लगाए, पुतले जलाए और प्रदर्शन किया। यहां दिल्ली बोर्डर पर गाजीपुर में प्रदर्शन स्थल पर थोड़ी अराजकता की भी खबर है, जहां किसानों ने भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती के बीच केन्द्र सरकार का पुतला जलाया। 'काला दिवस' प्रदर्शन के तहत किसानों ने तीन सीमा क्षेत्रों सिंघू, गाजीपुर और टिकरी पर काले झंडे लहराए और नेताओं के पुतले जलाए। दिल्ली पुलिस ने लोगों से कोरोना वायरस संक्रमण से हालात और लागू लॉकडाउन के मद्देनजर इकट्ठे नहीं होने की अपील की है और कहा कि प्रदर्शन स्थल पर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए वह कड़ी नजर बनाए रखे है। किसान नेता अवतार सिंह मेहमा ने कहा कि न केवल प्रदर्शन स्थल पर बल्कि हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के गांवों में भी काले झंडे लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने अपने घरों और वाहनों पर भी काले झंडे लगाए हैं। मेहमा ने कहा, ''सरकार के नेताओं के पुतले जलाए गए। आज का दिन यह बात दोहराने का है कि हमें प्रदर्शन करते हुए छह माह हो गए हैं लेकिन सरकार जिसके कार्यकाल के आज सात वर्ष पूरे हो गए, वह हमारी बात नहीं सुन रही है।

निर्माण परियोजनाओं में पर्यावरण नियमों पर जारी हो एसओपी : एनजीटी

नई दिल्ली (आरएनएस)। निर्माण परियोजनाओं में पर्यावरण नियमों के लगातार उल्लंघन का जिक्र करते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकारण (एनजीटी) ने सरकार को निर्देश दिया है कि वह इस संबंध में सभी राज्यों के पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरणों को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने पर विचार करे। पुणे में 'गंगा एल्टस' निर्माण परियोजना को महाराष्ट्र पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण द्वारा मंजूरी दिए जाने के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल ने यह आदेश दिया।

कोरोना इफेक्ट : जेईई मेंस के बाद जेईई एडवांस परीक्षाएं भी स्थगित

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना महामारी के मद्देनजर एक बार फिर जेईई की परीक्षा स्थगित करने का फैसला किया गया है। हालांकि इस बार जेईई एडवांस की परीक्षाएं स्थगित की गई हैं। दरअसल जेईई मेंस की परीक्षाएं अपने नियत समय पर नहीं हो पाई, इसी के चलते 3 जुलाई को होने वाली जेईई एडवांस की परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान यानी आईआईटी खड़गपुर ने जेईई एडवांस 2021 की परीक्षाएं स्थगित करने की घोषणा की है। जेईई मेंस की परीक्षाएं इसी महीने 24 से 28 मई के बीच होनी थी। देशभर में कोरोना संक्रमण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने फिलहाल जेईई मेंस की परीक्षाएं स्थगित करने का ऐलान कर दिया है।

इससे पहले अप्रैल में होने वाली जेईई मेंस की परीक्षाएं भी स्थगित की जा चुकी हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने मौजूदा वर्ष में जेईई मेंस की परीक्षाएं 4 बार लेने का निर्णय लिया था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी इस वर्ष कोरोना संक्रमण के चलते चार बार जेईई मेंस का आयोजन करना था। इसमें अभ्यर्थी चारों परीक्षाओं में शामिल हो सकते हैं। उनके सबसे बेहतर नंबर जेईई एडवांस के लिए माने जाएंगे। लेकिन अभी तक जेईई मेंस के चार सत्रों में से केवल दो सत्रों की ही परीक्षा ली जा सकी है। यही कारण है कि अब जेईई एडवांस की परीक्षा भी स्थगित करनी पड़ी है।

एनटीए की वरिष्ठ परीक्षा निदेशक डा साधना पराशर ने बताया कि परीक्षा का पहला सत्र फरवरी में आयोजित किया गया। इसमें 6 लाख 20 हजार से अधिक छात्र शामिल हुए। इसके बाद दूसरा सत्र मार्च माह में आयोजित किया गया। इस परीक्षा में पांच लाख 56 हजार से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। परीक्षा का तीसरा सत्र 27 से 30 अप्रैल के बीच आयोजित किया जाना था लेकिन कोरोना की मौजूदा लहर को देखते हुए इसे स्थगित करना पड़ा। कोरोना के ही कारण 24,25,26,27 और 28 मई को पहले से तय जेईई मेंस के चौथे सत्र की परीक्षाएं भी स्थगित की गई हैं।

शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक स्थिति सामान्य होने पर जब भी परीक्षा ली जाएगी तो उस से 15 दिन पहले छात्रों को परीक्षा की तारीख के बारे में अवगत कराया जाएगा। मार्च में हुई जेईई मेन परीक्षा सीजन 2 के नतीजे घोषित किए जा चुके हैं। यह परीक्षाएं पहली बार क्वालालंपुर और लागोस जैसे विदेशी शहरों में भी आयोजित की गई थी। भारत सरकार के सहयोग से इन परीक्षाओं को 12 विदेशी शहरों और 334 भारतीय शहरों में आयोजित किया गया था।

गौरतलब है कि कोविड की दूसरी लहर के कारण केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने मई, 2021 के महीने में निर्धारित सभी ऑफलाइन परीक्षाओं को स्थगित करने का आग्रह किया है।

यह निर्णय देशभर के सभी केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों पर लागू होगा। इसके अलावा ऐसे उच्च शिक्षण संस्थानों को भी ऑफलाइन परीक्षाएं स्थगित करनी होगी जिनको केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है।

केंद्रीय वित्त पोषित संस्थानों के सभी प्रमुखों को संबोधित एक पत्र में उच्च शिक्षा सचिव अमित खरे ने इन संस्थानों से मई, 2021 के महीने में होने वाली सभी ऑफलाइन परीक्षाओं को स्थगित करने का आग्रह किया है। हालांकि ऑनलाइन परीक्षाएं जारी रह सकती हैं।

केंद्र सरकार सोचती है कि किसान थक जाएंगे और कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन खत्म कर देंगे : राकांपा

मुंबई (आरएनएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने मुंबई केंद्र पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उसके मन में धारणा है कि पिछले छह महीनों से तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे किसान थक जाएंगे और अपना प्रदर्शन खत्म कर देंगे। राकांपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता नवाब मलिक ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय कानूनों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन के छह महीने पूरे होने पर किसान काला दिवस मना रहे हैं। किसान दिल्ली की तीन सीमाओं--सिंघू, गाज़ीपुर और टीकरी पर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने बुधवार को काला दिवस के रूप में काले झंडे लगाए, सरकार विरोधी नारेबाजी की और पुतले जलाए तथा मार्च निकाला। राकांपा सहित 14 राजनीतिक दलों ने प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया है और नागरिकों से सोशल मीडिया के माध्यम से एकजुटता दिखाने का आग्रह किया है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री मलिक ने कहा, केंद्र सरकार को लगता है कि छह महीने तक आंदोलन करते-करते थक जाने पर किसान अपना प्रदर्शन खत्म कर देंगे। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय कानूनों की तामील पर रोक लगा दी है।

कोरोना में लॉकडाउन के कारण रोजगार में हुई 24 फीसदी की कमी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस महामारी के कारण पिछले साल लगे देशव्यापी लॉकडाउन का असर संगठित क्षेत्र में रोजगार के मोर्चे पर भी दिखाई दिया। पिछले साल कंपनियों ने नए कर्मचारियों को रखने में कंजूसी बरती। इसके चलते कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) से जुड़ने वाले नए कर्मचारियों की संख्या में पिछले वित्त वर्ष के दौरान करीब 24 फीसदी की कमी दिखाई दी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2020-21 में ईएसआईसी की सामाजिक सुरक्षा योजना से जुड़ने वाले सदस्यों की संख्या में करीब 1.15 करोड़ रही, जबकि 2019-20 में 1.51 करोड़ सदस्य जोड़े गए थे। हालांकि लॉकडाउन के बाद के महीनों में रोजगार के आंकड़े में सुधार दिखाई दिया। विभागीय डाटा के मुताबिक, लॉकडाउन के दौरान अप्रैल में 2.63 लाख और मई में 4.89 लाख ही सदस्य जुड़े, लेकिन लॉकडाउन हटने की शुरुआत होते ही जून में 8.87 लाख, जुलाई में 7.63 लाख, अगस्त में 9.5 लाख, सितंबर में 11.58 लाख और अक्तूबर में यह आंकड़ा बढ़कर 12.13 लाख पर पहुंच गया। नवंबर में फिर से नए जुड़ने वाले कर्मचारी घटकर 9.58 लाख हो गए, लेकिन दिसंबर में 12.33 लाख, जनवरी में 11.84 लाख, फरवरी में 11.77 लाख और मार्च में 12.24 लाख नए कर्मचारियों ने ईएसआईसी की सदस्यता ली।

सीबीआई के नए निदेशक बने सुबोध कुमार, आरएडब्लू में भी कर चुके हैं काम

नई दिल्ली (आरएनएस)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन यानी सीबीआई को अपना नया बॉस मिल गया है। आईपीएस अधिकारी सुबोध जायसवाल सीबीआई के नए डायरेक्टर होंगे। नए सीबीआई चीफ के चयन को लेकर हाई पावर कमेटी की बैठक हुई थी। इस बैठक में पीएम मोदी, मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना के साथ ही नेता विपक्ष अधीर रंजन चौधरी मौजूद थे। सीबीआई का नया बॉस चुनने के लिए 90 मिनट तक बैठक चली और फिर सीबीआई चीफ के तौर पर सुबोध जायसवाल के नाम पर मुहर लगाई गई। सुबोध जायसवाल

का कार्यकाल दो साल का होगा।

सुबोध जायसवाल महाराष्ट्र एटीएस के चीफ रह चुके हैं। वो मुंबई पुलिस कमिश्नर का भी पदभार संभाल चुके हैं। सुबोध जायसवाल फिलहाल सीआईएसएफ के महानिदेशक हैं। सुबोध जायसवाल 1985 बैच के आईपीएस ऑफिसर हैं। उन्होंने एक दशक से ज्यादा वक्त तक इंटेलिजेंस ब्यूरो, एसपीजी और रॉ के साथ भी काम किया है। सुबोध जायसवाल को 2 साल के लिए सीबीआई का निदेशक नियुक्त किया गया है।

❐ **उच्च स्तरीय समिति की अध्यक्षता** - सीबीआई का नया बॉस चुनने के लिए पीएम मोदी, सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई एनवी रमना और लोकसभा में नेता विपक्ष अधीर रंजन चौधरी की मौजूदगी में उच्च स्तरीय समिति की बैठक हुई थी। जिसमें तीन नामों पर चर्चा चल रही थी। सीबीआई चीफ की रेस में उत्तर प्रदेश के डीजीपी एचसी अवस्थी, एसएसबी के डीजी कुमार राजेश चंद्रा और गृह मंत्रालय के विशेष सचिव वीएसके कौमुदी आगे चल रहे थे। लेकिन सुबोध कुमार जायसवाल ने बाजी मारी।

❐ **जासूसों का मास्टर कहा जाता है**- आईपीएस सुबोध जायसवाल की छवि बेदाग और साफ-सुधरी मानी जाती है। पुलिस सेवा में बेहतरीन काम के लिए उन्हें 2009 में प्रेसिडेंट पुलिस मेडल से भी नवाजा जा चुका है। जायसवाल को जासूसों का मास्टर भी कहा जाता है। उन्होंने रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) में भी अपनी सेवाएं दी है।

कोरोना महामारी मानवता पर सदी का सबसे बुरा संकट, पीएम बोले भविष्य में कोराना पूर्व और कोरोना बाद की रूप में याद रखी जाएंगी घटनाएं

» महामारी के प्रति बेहतर समझ और टीके से आएगा बदलाव

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना महामारी को मानवता पर बीती एक सदी में मानवता पर सबसे बुरा संकट बताया है। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर संस्कृति मंत्रालय के वेसाक वैश्विक समारोह को संबोधित करते हुए पीएम ने भविष्य में हम घटनाओं को कोरोना पूर्व या कोरोना बाद की घटना के रूप में याद करेंगे। इस दौरान पीएम ने कोरोना की दूसरी लहर में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों की सेवा भावना की तारीफ की और कहा कि फिलहाल इससे निपटने के लिए दुनिया के पास टीका ही एक मात्र विकल्प है।

पीएम ने कहा कि यह दशकों-दशकों बाद मानवता पर आया सबसे बड़ा संकट है। इस महामारी के कारण पूरी दुनिया संकट में है। हमने बीती एक सदी में ऐसी महामारी नहीं देखी। इस महामारी ने दुनिया को बदल कर रख दिया है। इस महामारी के खत्म होने के बाद अब हमारी धरती पहले जैसी नहीं रहेगी। जीवन जीने का तरीका से ले कर सब कुछ बदल जाएगा। भविष्य में होने वाली दुनिया की हर घटना अब कोरोना पूर्व या कोराना के बाद के रूप में ही याद रखी जाएगी।

पीएम ने इस दौरान स्वास्थ्यकर्मियों के सेवा भाव की प्रशंसा की। इस महामारी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मैं फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स, डाक्टरों, नर्सों को एक बार फिर सलाम करता हूं जो बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की सेवा के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है उनके परिजनों के प्रति शोक व्यक्त करता हूं। विपदा की इस घड़ी में हम सब पीड़ित परिवारों के दुख के साथ खड़े हैं।

❐ **बेहतर समझ और टीके से बदलेगी परिस्थिति**- पीएम ने कहा कि पूरी दुनिया ने कोरोना की दूसरी लहर का सामाना किया है। भारत भी मजबूती के साथ इसका सामना कर रहा है। अब इस महामारी को लेकर, बेहतर समझ विकसित हो गई है। इससे लडने के लिए हमारे पासटीके उपलब्ध हैं जो लोगों की जान बचाने और महामारी को हराने के लिए महत्वपूर्ण है।

देश में नहीं थम रहा कोरोना से मौतों का तांडव

» 24 घंटों में 4,157 लोगों ने गंवाई जान, कोरोना के 2.08 लाख से ज्यादा नए मामले

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना की दूसरी लहर के कोहराम में धीरे धीरे दैनिक मामलों में तो कमी आ रही है, लेकिन कोरोना संक्रमण से मरने वालों की रफ्तार कम होने का नाम नहीं ले रही है। पिछले 24 घंटों में 4,157 मौतें हुई तो वहीं कोरोना संक्रमण के 2,08,921 नए मामले सामने आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में कोविड-19 के एक दिन में 2,08,921 नए मामले सामने आने से संक्रमण के मामले बढ़कर 2,71,57,795 हो गये हैं। जबकि इस दौरान एक दिन में संक्रमण से 4,157 लोगों की मौत के बाद देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,11,388 हो गई है। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 24,95,591 है। शीर्ष पांच राज्य जिन्होंने अधिकतम कोविड मामले दर्ज किए हैं, वे तमिलनाडु में 34,285 मामले हैं, इसके बाद केरल में 29,803 मामले, महाराष्ट्र में 24,136 मामले, कर्नाटक में 22,758 मामले और पश्चिम बंगाल में 17,005 मामले हैं। इन पांच राज्यों से नए कोविड के 61.26 मामले सामने आए हैं, जिनमें अकेले तमिलनाडु 16.41 प्रतिशत नए कोविड मामलों के लिए जिम्मेदार है। महाराष्ट्र में सबसे अधिक कोविड मौतें दर्ज करना जारी है।

रेलवे ने खराब मौसम और चक्रवात का सामना करते हुए पूर्वी राज्यों से 969 मीट्रिक टन एलएमओ के साथ देश को पहुंचाई सहायता

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे सभी बाधाओं को पार करते हुए तथा नए समाधान निकाल कर देश के विभिन्न राज्यों में तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) पहुंचाना जारी रखे हुए है। भारतीय रेलवे द्वारा अभी तक देश के विभिन्न राज्यों में 1080 से अधिक टैंकरों में 17,945 मीट्रिक टन तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) पहुंचाई गई है।

ज्ञात हो कि लगभग 272 ऑक्सीजन एक्सप्रेस गाड़ियों ने अब तक अपनी यात्राएं पूरी कर ली हैं और विभिन्न राज्यों को सहायता पहुंचाई है।

सहायता पहुंचाने का काम कल देर तक जारी रहा और 969 एमटी तरल मेडिकल ऑक्सीजन के साथ 12

ऑक्सीजन एक्सप्रेस गाड़ियां पूर्वी राज्यों से खराब मौसम और चक्रवात का सामना करती हुई चलीं।

इन 12 ऑक्सीजन एक्सप्रेस में तमिलनाडु के लिए 3 ट्रेनें, आंध्र प्रदेश के लिए 4 और दिल्ली क्षेत्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम और केरल के लिए 1-1 ट्रेन शामिल हैं।

दक्षिणी राज्यों में तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना प्रत्येक में एलएमओ की डिलीवरी 1000 एमटी को पार गई।

झारखंड ने पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस की अगवानी की और यह रेल से ऑक्सीजन प्राप्त करने वाला देश का 15वां राज्य बन गया ।

भारतीय रेलवे का यह प्रयास रहा है कि ऑक्सीजन का अनुरोध करने वाले राज्यों को कम से कम संभव समय में अधिक से अधिक संभव ऑक्सीजन पहुंचाई जा सके।

ऑक्सीजन एक्सप्रेस द्वारा 15 राज्यों- उत्तराखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, केरल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड और असम को ऑक्सीजन सहायता पहुंचाई गई है।

अब तक महाराष्ट्र में 614 एमटी ऑक्सीजन, उत्तर प्रदेश में लगभग 3731, मध्य प्रदेश में 633 एमटी, दिल्ली में 4910 एमटी, हरियाणा में 1911 एमटी, राजस्थान में 98 एमटी, कर्नाटक में 1653 एमटी , उत्तराखंड में 320 एमटी, तमिलनाडु में 1158 एमटी, आंध्र प्रदेश में 929 एमटी, पंजाब में 225 एमटी, केरल में 246 एमटी, तेलंगाना में 1312 एमटी, झारखंड में 38 एमटी और असम में 160 एमटी ऑक्सीजन पहुंचाई गई है।

रेलवे ने ऑक्सीजन सप्लाई स्थानों के साथ विभिन्न मार्गों की मैपिंग की है और राज्यों की बढ़ती हुई आवश्यकता के अनुसार अपने को तैयार कर रखा है। भारतीय रेलवे को एलएमओ लाने के लिए टैंकर राज्य प्रदान करते हैं।

ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने 32 दिन पहले 24 अप्रैल को महाराष्ट्र में 126 एमटी तरल मेडिकल ऑक्सीजन डिलीवर करने के साथ अपना काम शुरू किया था।

पूरे देश से जटिल परिचालन मार्ग नियोजन परिदृश्य में भारतीय रेलवे ने पश्चिम में हापा, बड़ौदा, मुंद्रा, पूर्व में राउरकेला, दुर्गापुर, टाटा नगर, अंगुल से ऑक्सीजन लेकर उत्तराखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, केरल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश तथा असम को ऑक्सीजन की डिलीवरी की है।

ऑक्सीजन सहायता तेज गति से पहुंचाना सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ऑक्सीजन एक्सप्रेस माल गाड़ी चलाने में नए और बेमिसाल मानक स्थापित कर रहा है। लंबी दूरी के अधिकतर मामलों में माल गाड़ी की औसत गति 55 किलोमीटर से अधिक रही है। उच्च प्रथमिकता के ग्रीन कॉरिडोर में आपात स्थिति को ध्यान में रखते हुए विभिन्न मंडलों के परिचालन दल अत्यधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम कर रहे हैं ताकि तेज संभव समय में ऑक्सीजन पहुंचाई जा सके। विभिन्न सेक्शनों में कर्मियों के बदलाव के लिए तकनीकी ठहराव (स्टॉपेज) को घटाकर 1 मिनट कर दिया गया है।